महारास - कान्हा बजाये बाँसुरी | By Atul Krishna

जय जय हे राधा रमण
जय जय नवल किशोर
जय गोपी चितचोर प्रभु
जय जय माखन चोर

कान्हा बजाये बाँसुरी यमुना रही है निहार
बोलो रे भाई जय श्री कृष्ण हरे
कृष्ण कृष्ण आजा रे कृष्ण

श्याम वरण नैन कमल रूप है प्यारा
शीत लहर ठंडी पवन यमुना की धारा
ऐसी छठा देखि नहीं हमने दोबारा
खोज खोज मेरा ये दिल अब तो है हारा
कान्हा बजाये बाँसुरी .....

यमुना तट पे कृष्ण रोज़ रास रचाये
गरबा करे गोपियों संग धूम मचाये
देख छठा वृक्ष कदम पुष्प चढ़ाये
लहर लहर पवन झूमे झूमती जाए
कान्हा बजाये बाँसुरी .....

मुरलीधर की मधुर मुरली मन को चुराए
मधुर मधुर मुस्कुराये मन को लुभाये
गिरिराज बनके खुद ही मधुर भोग लगाए
पल पल में प्रभु कई रूप दिखाए
कान्हा बजाये बाँसुरी .....

राधा कभी कृष्ण कभी कृष्ण है राधा
रूप रस रहस्य योग रास में साधा
अष्टमी का चाँद दोनों और है आधा
राधा कभी कृष्ण कभी कृष्ण है राधा
कान्हा बजाये बाँसुरी .....

आत्मा परमात्मा के मिलन का मधुभास है
यही महारास है यही महारास है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b8-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b8/